

संपादकीय

झुलसा हुआ तंत्र

दिल्ली में रविवार को तड़के अनाज मंडी इलाके की एक फैक्ट्री में लगी आग में 43 लोगों की मौत ने एक बार फिर हमारे सिस्टम की पोल खोल दी है। आग लगने की कई घटनाएं राजधानी में पहले भी घट चुकी हैं। 17 लोगों की जान लेने वाली एक होटल में लगी आग इसी साल फरवरी की घटना है। उपहार सिनेमा जैसी त्रासदी आज भी पूरे देश को याद है लेकिन लगता नहीं कि राजधानी प्रशासन ऐसी घटनाओं से कोई सबक लेता है। हर हादसे के बाद तमाम गड़बड़ियां ठीक करने के संकल्प दोहराए जाते हैं। जांच चलती है। कुछ दोषी पकड़े जाते हैं लेकिन फिर सब कुछ झुला दिया जाता है। आज भी दिल्ली के कई रिहायशी इलाकों में फैक्ट्रियां लगाई जा रही हैं और जरूरी सुरक्षा इंटरजामों को ताक पर रखा जा रहा है। अनाज मंडी के मामले में हालात ऐसे ही थे। बताया जा रहा है कि इन कारखानों को खाली करने के लिए एक महीने पहले नोटिस भेजा गया था लेकिन नोटिस की अनदेखी की गई।

फैक्ट्री चलाने वालों के पास ना तो फायर की एनओसी थी, ना ही उन्होंने यहां फायर सेफ्टी का कोई इंटरजाम किया हुआ था। हद तो यह कि सात महीने पहले ही इस इमारत में आग लगी थी फिर भी कोई इंटरजाम नहीं किया गया। नियमों के हिसाब से घरेलू इंडस्ट्री में ज्यादा से ज्यादा 9 लोगों को रखा जा सकता है और बिजली का लोड 11 किलोवॉट से ज्यादा नहीं हो सकता लेकिन यहां सैकड़ों कर्मचारी काम कर रहे थे। इमारत में वेंटिलेशन का भी पर्याप्त इंटरजाम नहीं था।

सचार्ड यह है कि राजधानी में ऐसी हजारों इमारतों में गुपचुप कारखाने चलाए जा रहे हैं, जहां मामूली चूक से बड़ा हादसा हो सकता है। भयानक घटनाओं के बाद भ्रष्टाचार का एक व्यवस्थित तंत्र सामने आता है, जो थोड़ा-बहुत हिल-डुलकर दोबारा अपनी जगह पर वापस लौट आता है। सवाल है कि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ का यह सिलसिला कब तक चलता रहेगा? देश के अन्य महानगरों का हाल भी कोई बहुत अच्छा नहीं है।

मुंबई में हाल ही में आग लगने की कई घटनाएं हुई हैं। फिर भी मुंबई और दिल्ली में एक बड़ा फर्क है कि मुंबई में कमर्शल इलाके जाने-पहचाने हैं। इसके विपरीत दिल्ली में पता ही नहीं चलता कि किस रिहायशी कॉलोनी में कितनी कारोबारी गतिविधियां चल रही हैं। नतीजा यह कि कोई हादसा होने पर तमाम एजेंसियां एक-दूसरे पर उंगली उठाने लगती हैं, जबकि उसके लिए वे सब बराबर की जिम्मेदार होती हैं।

ये हादसे हमारे एक अधिकसित देश होने और अर्थव्यवस्था में असंख्य चोर दरवाजे होने की गवाही भी देते हैं। वक्त आ गया है रिहायशी इलाकों में कमर्शल गतिविधियों को लेकर अब और हीलाहवाली न की जाए और घनी आबादी में चलने वाले कारखानों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जाए। नियमों को धता बताने वालों में कानून का खोफ पैदा किए बिना बात एक कदम भी आगे नहीं बढ़ेगी।

अफगानी प्याज ने कीमतों पर लगाया ब्रेक

नई दिल्ली (आरएनएस)। अफगानिस्तान से प्याज की आवक बढ़ने से देश की राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत के बाजारों में प्याज की कीमतों में तेजी पर ब्रेक लग गया है। दिल्ली में पिछले सप्ताह के मुकाबले इस सप्ताह प्याज के थोक दाम में 15 रुपये प्रति किलो की नरमी आई है। दिल्ली की आजादपुर मंडी में बुधवार सुबह प्याज का थोक दाम 30-70 रुपये प्रति किलो था। मंडी के सूत्रों ने बताया कि आयातित प्याज का थोक भाव मंगलवार के मुकाबले पांच रुपये प्रति किलो नरम था। आजादपुर एपीएमसी की कीमत सूची के अनुसार, मंगलवार को भी प्याज का थोक भाव 30-70 रुपये



प्रति किलो ही था, जबकि आवक 108.2 टन थी, जिसमें 161.4 टन विदेशी प्याज की आवक रही। कारोबारियों ने बताया कि अफगानिस्तान के अलावा तुर्की और मिस्र से भी व्यापारिक स्रोत से प्याज की आपूर्ति हो रही है, जिससे कीमतों में थोड़ी नरमी आई है। महाराष्ट्र और गुजरात में प्याज की

नई फसल की आवक तेज हो गई है। कारोबारी सूत्रों ने बताया कि दाम उंचा होने की वजह से किसान समय से पहले ही अपने खेतों से प्याज निकालने लगे हैं। प्याज की आवक बढ़ने से थोक भाव में ही नरमी नहीं आई है, बल्कि खुदरा कीमत भी थम गई है। हालांकि देश के अधिकांश शहरों में अभी भी प्याज 100 रुपये किलो से ऊंचे भाव पर बिक रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, देशभर में प्याज का अधिकतम खुदरा मूल्य मंगलवार को 150 रुपये और न्यूनतम 70 रुपये, जबकि मॉडल प्राइस 120 रुपये प्रति किलो था। पिछले दिनों देश के कुछ हिस्सों में प्याज 200 रुपये किलो बिकने

लगा था। दिल्ली-एनसीआर में भी प्याज का दाम 150 रुपये किलो तक चला गया था। हालांकि दिल्ली-एनसीआर में अभी भी फुटकर विक्रेता 70-120 रुपये किलो प्याज बेच रहे हैं। मालूम हो कि प्याज के दाम को थामने के लिए केंद्र सरकार ने एक लाख टन से ज्यादा प्याज का आयात करने का फैसला किया है और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एमएमटीसी ने अब तक 36,000 टन प्याज का आयात करने के ऑफर दिए हैं, जिनमें से 21,000 टन से ज्यादा के सौदे भी हो चुके हैं। एमएमटीसी ने 6,090 टन प्याज मिस्र से और 15,000 टन तुर्की से मंगाने के सौदे किए हैं।

नेहरू कप फाइनल में हिंसा के लिए जिम्मेदार 11 खिलाड़ी निलंबित

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया की अनुशासन समिति ने मंगलवार को कड़ा फैसला करते हुए नेहरू कप फाइनल के दौरान हिंसा में शामिल 11 खिलाड़ियों समेत दो टीम अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। पिछले महीने नेहरू कप फाइनल के दौरान पंजाब सशस्त्र पुलिस और पंजाब नेशनल बैंक के बीच 56वें नेहरू कप का खिताबी मुकाबला खेला जा रहा था। इस दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हाथापाई हुई थी और टर्फ पर ही दोनों टीमों के खिलाड़ी एक दूसरे पर हॉकी चलाते लगे। इस प्रकरण के बाद हॉकी इंडिया ने टूर्नामेंट के



आयोजकों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट की समीक्षा कर और विडियो साक्ष्य देखने के बाद हॉकी इंडिया के उपाध्यक्ष भोला नाथ सिंह की अध्यक्षता में समिति ने सर्वसम्मति से पंजाब सशस्त्र पुलिस और पंजाब नेशनल बैंक के खिलाड़ियों को क्रमशः 12-18 महीने और 6-12 महीने के लिए निलंबित करने का फैसला किया।

भारत को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप की मेजबानी योग्यता के आधार पर: एफआईएच सीईओ

नई दिल्ली। इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थिएरी वेल ने कहा है कि 2023 में होने वाले पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप की मेजबानी का अधिकार भारत को योग्यता के आधार पर दिया गया है। यह लगातार दूसरी बार है जब भारत इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। वेल ने कहा कि भारत जैसे देश में खेल की वित्तीय व्यवहारिकता पर विचार करने के बाद मलयेशिया की जगह उसे प्राथमिकता दी गई। उन्होंने लुसाने



से टेलीकॉन्फ्रेंस के जरिए भारतीय पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा, 'मेरा तात्कालिक किसी अन्य खेल फुटबॉल से है, जहां जब भी हम वर्ल्ड कप का आयोजन करते हैं, तो हम सभी की बेवजह खर्च करने के लिए बहुत आलोचना की जाती है। ऐसे में मैं इस बात को लेकर खुश हूँ कि हमने भुवनेश्वर जैसे स्थल को दूसरी बार इस्तेमाल करने का फैसला किया है। उस स्थल के निर्माण के लिए काफी मेहनत और निवेश हुआ है।

एडीबी ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान घटाकर 5.1 प्रतिशत किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने 2019-20 के लिये भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत से घटाकर बुधवार को 5.1 प्रतिशत कर दिया। एडीबी ने सितंबर में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2019-20 के लिये 6.5 प्रतिशत और उसके बाद 7.2 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया था। एडीबी ने कहा कि खराब फसल से ग्रामीण क्षेत्र की बदहाल स्थिति तथा रोजगार की धीमी वृद्धि दर ने उपभोग को प्रभावित किया है। इसके कारण वृद्धि दर के अनुमान को घटाय गया है।

एअर इंडिया ने सरकार से मांगी 2,400 करोड़ रुपये की गारंटी

नई दिल्ली (आरएनएस)। वित्तीय संकट से गुजर रही एअर इंडिया ने नई पुंजी जुटाने के लिए सरकार से 2,400 करोड़ रुपये की गारंटी मांगी है। एयरलाइन मुख्य रूप से परिचालन जरूरतों को पूरा के लिए यह पुंजी जुटा रही है। यह बात ऐसे समय सामने आई है जब सरकार कर्ज में डूबी एअर इंडिया के विनिवेश के लिए रूपरेखा को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। अधिकारी ने कहा कि एयरलाइन ने परिचालन जरूरतों के लिए पुंजी जुटाने को लेकर सरकार से 2,400 करोड़ रुपये की गारंटी मांगी है। एअर इंडिया के प्रवक्ता ने इस बारे में कोई भी टिप्पणी नहीं की। एयरलाइन को 2018-19 में



8,556.35 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा होने का अनुमान है। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कहा था कि मार्च तक एअर इंडिया और भारत पेट्रोलियम के विनिवेश की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। सरकार एयर इंडिया को बेचने में आने वाली रकमावटों को दूर करने की कोशिशें कर रही है। सरकार ने बॉन्ड्स के

जरिए भी 7985 करोड़ रुपये जुटाए। इस रकम का इस्तेमाल एअरलाइन के कर्ज को चुकाने के लिए किया जाएगा।

सरकार की योजना एअर इंडिया और इसकी लो-कोस्ट इंटरनेशनल सब्सिडियरी एअर इंडिया एक्सप्रेस को बेचने की है। इसके साथ ही ग्रांडड हँडलिंग कंपनी एअर इंडिया सिंगापुर टर्मिनल सर्विसेज लिमिटेड में हिस्सेदारी बेची जाएगी। रीजनल एअरलाइन अलायंस एयर, इंजिनियरिंग सब्सिडियरी एअर इंडिया इंजिनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड और ग्रांडड हँडलिंग सब्सिडियरी एअर इंडिया एअर टर्म्सपोर्ट लिमिटेड को अलग से बेचा जाएगा।

साउथ एशियन गेम्स में भारत ने रिकॉर्ड 312 पदकों के साथ किया अपना अभियान समाप्त

काठमांडू। भारत ने 13वें साउथ एशियन गेम्स (सैग) में यहां अपने अभियान का अंत रिकॉर्ड 312 मेडलों के साथ किया जिसमें 174 गोल्ड के अलावा 93 सिल्वर और 45 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। भारत ने गुवाहाटी और शिलांग में आयोजित हुए इन खेलों के पिछले सत्र (2016) में कुल 309 मेडल हासिल किए थे जिसमें 189 गोल्ड शामिल थे। इस बार हालांकि गोल्ड मेडल की संख्या पिछली बार से 15 कम है। मेजबान नेपाल 206 मेडल (51



गोल्ड, 60 सिल्वर और 95 ब्रॉन्ज) के साथ दूसरे जबकि श्रीलंका 251 मेडलों (40 गोल्ड, 83 सिल्वर और 128 ब्रॉन्ज) के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारत 1984 में शुरू हुए इन खेलों के सभी आयोजन में मेडल तालिका में शीर्ष पर रहा है।

मंगलवार को इन खेलों के आखिरी दिन भारत ने 15 गोल्ड सहित दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल के साथ कुल 18 मेडल हासिल किए। इसमें मुक्केबाजों ने छह गोल्ड और एक सिल्वर मेडल हासिल किया। बास्केटबॉल में भारत की पुरुष और महिला टीमों ने क्रमशः श्रीलंका (101-62) और मेजबान नेपाल (127-46) को हराकर गोल्ड मेडल हासिल किए।

करण जौहर की फिल्म में दीपिका पादुकोण के साथ जमेगी विकी कौशल की जोड़ी!

दीपिका पादुकोण के एक बार फिर से करण जौहर के प्रॉजेक्ट से जुड़ने की रिपोर्ट्स हाल ही में सामने आई थीं। फिलहाल इसकी पुष्टि तो नहीं हुई है लेकिन उससे पहले ही एक अन्य रिपोर्ट सामने आई है जिसमें कहा जा रहा है कि करण की इस फिल्म में दीपिका के साथ विकी कौशल जोड़ी जमाते दिख सकते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, करण की फिल्म के लिए लीड हीरो की तलाश की जा रही है। इसके लिए फिलहाल विकी कौशल और सिद्धांत चतुर्वेदी के नाम सामने आए हैं। इन दोनों में से किसी चुना जाएगा यह तो आने वाला वक्त ही बता सकेगा। वैसे बता दें कि फिल्म पश्चात के समय ऐसी रिपोर्ट्स थीं कि राजा रतन सिंह के लिए संजय लीला भंसाली ने पहले विकी कौशल को पसंद किया था लेकिन दीपिका ने उनके साथ स्क्रीन शेयर करने से इनकार कर दिया था।



कहा जाता है कि विकी उस वक्त तक स्टैब्लिश ऐक्टर नहीं थे, इस वजह से दीपिका उनके साथ काम नहीं करना चाहती थीं, लेकिन अब चूंकि वह खुद को साबित कर चुके हैं तो ऐक्ट्रेस

उनके साथ काम करने को राजी हो गई हैं। दीपिका को कुछ दिन पहले करण जौहर के ऑफिस पर स्पॉट किया गया था। कहा जा रहा है कि ऐक्ट्रेस अपकमिंग फिल्म की स्क्रिप्ट सुनने के लिए गई थीं और उन्हें कहानी काफी पसंद आई है। इस प्रॉजेक्ट के लिए दीपिका के हामी भर देने के भी दावे किए जा रहे हैं। वहीं फिल्म में एक और फीमेल लीड होने की भी खबरें हैं। यह कौन होगी इसके लिए किसी का नाम फिलहाल सामने नहीं आया है। पति-पत्नी के रिश्ते पर होगी स्टोरी बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी शादीशुदा जोड़े और उनके रिश्ते की दिक्कों के इर्द-गिर्द घुमेगी। स्टोरी का फोकस मेल लीड से ज्यादा फीमेल लीड पर रखा जाएगा।

आज का राशिफल

मेष- आर्थिक लेन-देन और धन निवेश करने के लिए शुभ दिन है। जो भी काम आपकी योजना में है उसे पूरा कर सकते हैं। कारोबार में आय बढ़ेगी।

वृषभ- बीते दिन के मुकाबले दिन अधिक सुखद रहेगा। किसी प्रिय वस्तु की प्राप्ति हो सकती है। कहीं से धन लाभ मिलेगा। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

मिथुन- आज आपका मन अशांत हो सकता है। कई विषयों को लेकर मन में भ्रंशकाल रहेगा। सुस्ती और थकान महसूस करेंगे। कई मामलों में आपके धन का व्यय हो सकता है।

कर्क- स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा। देवी लक्ष्मी की कृपा दृष्टि आप पर रहेगी, कारोबार में लाभ मिलेगा। अटके धन की प्राप्ति हो सकती है।

सिंह- काम का दबाव रहेगा, दिन व्यस्तता में बीतेगा। सक्रिय रहेंगे, काम में सफलता मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। मान-सम्मान और प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी।

कन्या- किस्मत आप पर मेहरबान है सभी कार्यों में आप अपने भाग्य का सहयोग प्राप्त करेंगे। धर्म-कर्म और अध्यात्म में आपकी रुचि रहेगी।

तुला- आज दिन उथल-पुथल वाला रहेगा। मानसिक तनाव महसूस कर सकते हैं, मन को शांत रखें नहीं तो काम बिगड़ सकता है। वाहन सावधानी पूर्वक चलाएँ।

वृश्चिक- पारिवारिक मामलों में दिन सुखद और अनुकूल रहेगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल रहेगा, अच्छा समय साथ बिता सकते हैं।

धनु- सितारे अनुकूल हैं, विरोधियों का पक्ष कमजोर होगा। कोई अच्छी खबर मिल सकती है, अनिदित होंगे। मान-सम्मान और प्रतिष्ठा का लाभ मिलेगा।

मकर- आज आप रोमांटिक मिजाज के साथ दिन का आरंभ करेंगे। दिन भर आनंद और उत्साह का भाव बना रहेगा।

कुम्भ- किसी के साथ वाद-विवाद में ना उलझे। माता अथवा घर की किसी बुजुर्ग महिला के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हो सकते हैं। आज का दिन संयम से बिताना चाहिए।

मीन- आज दिन कुल मिलाकर अनुकूल रहेगा। उत्साह और उर्जा में वृद्धि होगी। चली आ रही परेशानियों से राहत महसूस करेंगे। अधिकारियों एवं अनुभवी लोगों से सहयोग और लाभ मिल सकता है। व्यापार में कोई अच्छी डील हो सकती है।

अपनी अगली फिल्म में सलमान खान को कास्ट करना चाहते हैं आनंद एल राय

सलमान खान बॉलिवुड के उन स्टार्स में से एक हैं जिनके साथ हर निर्माता-निर्देशक काम करना चाहता है। वैसे तो सलमान लागू हर बड़े डायरेक्टर के साथ काम कर चुके हैं। लेकिन अभी तक आनंद एल राय के साथ उन्होंने एक भी फिल्म नहीं की है। अब सलमान के दिमाग में आनंद एल राय का नाम है या नहीं, यह तो वही जानें पर खुद आनंद तो उनके साथ काम करना चाहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक,



आनंद एल राय अपनी अगली फिल्म के लिए सलमान को साइन करना चाहते हैं। इस फिल्म को वह भूषण कुमार के साथ मिलकर बना रहे हैं। आनंद एल राय और भूषण कुमार के बीच पहले कुछ

प्रॉजेक्ट्स को लेकर अनबन हो गई थी। लेकिन इसके बावजूद दोनों ने साथ में काम करने का फैसला किया है। आनंद और भूषण मिलकर जो फिल्म बना रहे हैं उसमें वह सलमान को लेने का मन बना रहे हैं। अब देखना यह होगा कि सलमान इस फिल्म के लिए मानते हैं या नहीं क्योंकि अब सलमान फिल्मों को लेकर काफी चूड़ी हो गए हैं और जो फिल्म उन्हें क्लिष्ट तौर पर अच्छी लगती है उसे ही साइन करते हैं।

रोमांटिक अंदाज में नजर आए सैफ-करीना

करीना कपूर और सैफ अली खान बॉलिवुड इंडस्ट्री के चर्चित कपल में से एक हैं। आप दिन दोनों की तस्वीरें सामने आती रहती हैं। एक बार फिर अब दोनों की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में दोनों एक दूसरे के साथ रोमांटिक अंदाज में पोज दिया। दोनों एक-दूसरे की आंखों में देखते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल, सैफ अली खान और करीना कपूर अपने बेटे तैमूर और परिवार के साथ शर्मिला टैगोर का जन्मदिन मनाने राजस्थान के रणथंभौर



पास इस समय गुड न्यूज, अंग्रेजी मीडियम और तख्त जैसी फिल्में हैं। वहीं, सैफ अली खान के पास तानाजी: अनसग वॉरियर, जवानी जानेमन और भूत पुलिस जैसी फिल्में हैं।

जानें बिना प्याज के शाही पनीर बनाने की रेसिपी

प्याज मंहेगे होने के कारण लोग इसका यूज कम कर रहे हैं लेकिन आज हम आपको बिना प्याज के शाही पनीर बनाने की रेसिपी बताएंगे, जो हर किसी को पसंद आएगी।



सामग्री
पनीर- 250 ग्राम,
मूंगफली- 1 चम्मच, खरबूजे के बीज- 1 चम्मच, खसखस- 1 चम्मच, अदरक और हरी मिर्च का पेस्ट- 1 चम्मच, धनिया पाउडर- 1 चम्मच, काजू- 5-6, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 चम्मच, घी- 1 चम्मच, तेल- 1 चम्मच, काली मिर्च पाउडर- चुटकीभर, चीनी- 1 चम्मच, टमाटर की प्यूरी- 1, दूध-1 कप, ताजा दही- 2 चम्मच, मलाई- 2 चम्मच, कसूरी मेथी- 1 चम्मच, हल्दी पाउडर- 1/4 चम्मच, शाही पनीर मसाला- 1 चम्मच, नमक- स्वादानुसार

बनाने की विधि

1. पहले मूंगफली, खरबूजे के बीज, खसखस काजू को 5-6 घंटे के लिए

भिगोकर रख दें। फिर इन्हें ब्लेंड करके स्मूद पेस्ट बना लें।
2. एक पैन में तेल गर्म करें, उसमें जीरा व तैयार किए पेस्ट को भूनें। फिर इसमें अदरक, मिर्च, टमाटर प्यूरी, नमक, धनिया पाउडर, लाल मिर्च, हल्दी पाउडर को मिक्स करके धीमी आंच पर भूनें।
3. अब इसमें दही और मलाई मिक्स करके एक मिनट के लिए भूनें। इसके बाद इसमें पनीर डालकर पकाएँ।
4. इसके बाद इसमें गर्म मसाला और कसूरी मेथी डालें। अब इसमें दूध या क्रीम डालकर 3-4 मिनट तक पकने दें।
5. जब यह अच्छी तरह से पककर गाढ़ी हो जाए तो गैस बंद कर दें।
6. गार्निश के लिए इसमें थोड़ा-सा घी, हरा धनिया और कद्दूकस पनीर डालें।
7. लीजिए आपका शाही पनीर बनकर तैयार है। अब इसे गर्मा-गर्म करें।

शब्द सामर्थ्य- 71

बार् से दार्	बेमिसाल 23. गोल हरे दानों वाला एक प्रसिद्ध पौधा, या इस पौधे की फली 24. माता, जननी 25. संतान, औलाद 26. अधीन, अधीनस्थ, कर्मचारी 27. चिड़िया, खग तरफदार।	औषधालय 6. युक्ति, उपाय 8. गोला, तर, भीगा हुआ 11. इटके से मुँह से आवाज के साथ हवा बाहर आना, बलगम आदि का बाहर आना 14. तुरंत, झटपट 15. स्त्री, नारी, अबला 17. एक और एक चौथाई 19. आदमखोर 21. दुनिया, संसार, जग 22. वर्ष की छ: ऋतुओं में एक ऋतु जिसमें मौसम सुहावना रहता है 23. बुद्धि, दिमाग।
---------------------	--	--

ऊपर से नीचे	1. पानी में डूबा हुआ, जल प्लावित 2. पाकेटमार, जेब काटने वाला 3. समाधान, खेत जोतने का यंत्र 4.
शब्द सामर्थ्य क्रमांक 70 का हल	
पि चि दं व र म स	ट भ ला ई अ स म
ना म स मा धि झ	ज वे न का र ना
या वू आ य क र	र की व आ य क र
ज रू प क ज न	हा पा ना म ची न
ज हां प ना ह ता न ना	

सू-दोक्-71

	2	6	8	3
9	8	3	4	
5	2	7	6	
8	4	1	3	
		9		
8	9		1	
5		1	6	2
	1	7		4

विचय
1. कुल 81 वर्ण हैं, जिसमें अक्षरों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ण में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते हैं।
3. बार् से दार् और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोक् क्र. 70 का हल	2	6	3	8	1	4	9	7	5
	9	5	4	2	6	7	3	1	8
	8	7	1	9	3	5	6	2	
	6	2	7	5	4	8	4	3	9
	3	9	8	6	7	1	2	5	4
	4	1	5	3	2	9	6	8	7
	5	3	2	4	8	6	7	9	1
	1	8	6	7	9	2	5	4	3
	7	4	9	1	5	3	8	2	6